805

Total Pages : 3 Roll No. .....

DPJ-103

विवाह मेलापक एवं गोचर विचार

फलित ज्योतिष में डिप्लोमा (डी.पी.जे-12/16/17)

1st Semester Examination, 2021 (Winter)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 100**

नोट : यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×26=52)

1. विवाह व उसके भेदों का परिचय प्रदान करते हुए दक्षिण भारतीय मिलान पद्धति का वर्णन करें।

2. अष्टकूट मिलान पद्धति का सोदाहरण विस्तृत वर्णन करें।

3. विभिन्न प्रकार से मांगलिक विचार का सोदाहरण वर्णन करें तथा उसके परिहार पर भी प्रकाश डालें।

4. मन्द गति, वक्री एवं मार्गी ग्रह के गोचर विचार का सुविस्तृत वर्णन करते हुए चन्द्र से गोचर विचार का विवेचन करें।

5. सूर्यादि ग्रह संक्रान्ति से गोचर विचार की प्रक्रिया का विस्तृत विवेचन करें।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×12=48)

1. जन्म कुण्डली द्वारा वर कन्या के गुण दोष का विचार किस प्रकार किया जाता है? सोदाहरण वर्णन करें।

2. आज के समय में मेलापक की उपयोगिता पर प्रकाश डालें।

3. विवाह मेलापक द्वारा स्वास्थ्य, धन, संतान व आय विचार किस प्रकार किया जाता है? वर्णन करें।

4. दशा व गोचर द्वारा मेलापक विचार की पद्धति पर प्रकाश डालें।

5. शनि की साढ़े साती व ढ़ैया का सोदाहरण विवेचन करें।

6. शनि की साढ़े साती व ढ़ैया का फल विचार करते हुए उपाय भी लिखें।

7. दशा अनुसार गोचर विचार का वर्णन करें।

8. सामान्य नक्षत्र गोचर फल का विवेचन करें।